विषय-सूची

अध्याय 1.	लोकतंत्र में सत्ता की साझेदारी	1 - 31
अध्याय 2.	सत्ता में साझेदारी की कार्यप्रणाली	32 - 66
अध्याय 3.	लोकतंत्र में प्रतिस्पर्द्धा एवं संघर्ष	67 - 100
अध्याय 4.	लोकतंत्र की उपलब्धियाँ	101 - 110
अध्याय 5.	लोकतंत्र की चुनौतियाँ	111 - 124

सामाजिक विज्ञान

लोकतांत्रिक राजनीति

भाग-2

कक्षा-10

©BSTBPC WEB COPY NOT TO BE PUBLISHED

सत्यमेव जयते

(राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार, द्वारा विकसित)
बिहार स्टेट टेक्स्ट बुक पब्लिशिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड, पटना द्वारा मुद्रित

दिशाबोध :

- **श्री हसन वारिस** : निदेशक (प्रभारी), राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, पटना-800006
- **श्री रामतवक्या तिवारी:** विभागाध्यक्ष, मानविकी शिक्षा विभाग, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार, पटना
- **श्री कासिम खूरशीद:** विभागाध्यक्ष, भाषा शिक्षा विभाग, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार, पटना

पाठ्य-पुस्तक विकास समिति सदस्य

- डा० गांधीजी राय, अवकाश प्राप्त प्राचार्य, महाराजा कॉलेज, वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा
- डा० परमानन्द सिंह, स० शिक्षक, राजकीय कृतस्टूडेण्ट्स साईंटीफिक उच्च विद्यालय, पटना
- श्री विजय कुमार सिंह, स० शिक्षक एफ्०एन०एस० एकेडेमी, गुलजारबाग, पटना
- श्रीमती शीला कुमारी, विभागाध्यक्ष, राजनीति विज्ञान, राजकीय महिला महाविद्यालय, गर्दनीबाग, पटना
- डा० मुकेश कुमार राय, स्नातकोत्तर शिक्षक, बी०एन० कॉलेजिएट इंटर स्कूल, पटना
- श्री संजय कुमार सुमन, स० शिक्षक, विद्यापति उच्च विद्यालय, वाजितपुर, समस्तीपुर
- श्रीमती ललिता कुमारी, व्याख्याता, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार
- श्रीमती बीर कुमारी कुजूर, व्याख्याता, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार

समीक्षक :

- डा० गांधीजी राय, सेवा निवृत्त प्रधानाचार्य, महाराजा कॉलेज, आरा
- प्रो० एम० सी० सिंह, सेवा निवृत्त विभागाध्यक्ष, कॉलेज ऑफ कॉमर्स, पटना
- डा० आर० आर० सिंह, राजनीतिशास्त्र विभाग, वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा

समन्वयक :

- डा० रीता राय, व्याख्याता, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार

अकादमिक सहयोग :

- **इम्तियाज आलम,** व्याख्याता, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार, पटना

प्रस्तावना

आओ सामाजिक विज्ञान (राजनीतिशास्त्र) कक्षा-10 की पाठ्यपुस्तक भारत सरकार की नई शिक्षा नीति (1986), राष्ट्रीय पाठ्यचर्चा की रूपरेखा-2005 तथा राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, पटना द्वारा एन०सी०एफ०-2005 के आधार पर विशिष्ट रूप से ग्रामीण क्षेत्र के संदर्भ को ध्यान में रखते हुए बिहार पाठ्यचर्चा की रूपरेखा-2008 के निर्माण तथा तदनुरूप पाठ्यक्रम के आधाार पर तैयार किया गया है । पाठ्यक्रम के उद्देश्य पाठ्यपुस्तक के विषय-वस्तु में परिलक्षित है जिसमें बच्चों के सर्वांगीण विकास अर्थात् शारीरिक, मानसिक, चारित्रिक एवं अभ्यास क्षमताओं पर ध्यान दिया गया है । बच्चों में स्वयं करके सीखने तथा खोजी भावना का विकास करना तथा आपस में मिलजुलकर सीखने की प्रवृत्ति का विकास करके उनको जिम्मेवार नागरिक बनाया जाए, जिसमें देश की धर्मनिरपेक्षता, अखण्डता एवं समृद्धि के लिए कार्य करें तथा संविधान के प्रस्तावना (उद्देशिका) तथा मूल कर्तव्य की पूर्ति हो, ऐसा विद्यालयीय शिक्षा के क्रम में पाठ्यक्रम तथा पाठ्यपुस्तक में ध्यान रखा गया है । पाठ्यपुस्तक के माध्यम से बच्चे तथा शिक्षक के बीच शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया बाल-केंद्रित हों तथा सीखना बिना बोझ के ''अर्थात् सुगम एवं आनन्दायी शिक्षण हो, ऐसा प्रयास किया गया है । इस पाठ्यपुस्तक के विकास में राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, पटना की अहम् भूमिका है तथा इसमें बिहार शिक्षा परियोजना परिषद्, पटना का सहयोग प्राप्त हुआ है । राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार द्वारा सृजित की गई यह पाठ्यपुस्तक अध्ययन के क्रम में बच्चों के लिए शिक्षक का काम करेगी ।

राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, पटना राज्य के प्रारंभिक स्तर के शिक्षक समूह द्वारा तैयार की गई है । इस पुस्तक में क्रियाकलाप अर्थात् गतिविधि तथा प्रयोग आधारित है जो बच्चों का सक्रिय बनाने वाला होगा तथा उन्हें सीखने में ज्यादा आनन्द आएगा ।

नये पाठ्यक्रम के आधार पर पुस्तक का यह पहला संस्करण है । अतः पुस्तक में परिष्कार एवं संवर्द्धन की भी काफी गुंजाइश है, जिसके लिए छात्र, अभिभावकों एवं शिक्षकों के सुझावों का हम हार्दिक प्रसन्नता के साथ स्वागत करेंगे ।

प्रबंध निदेशक

बिहार स्टेट टेक्सट बुक पब्लिशिंग

कोरपोरेशन लिमिटेड, बुद्धमार्ग, पटना

आमुख

यह पुस्तक राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2005 एवं बिहार पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2006 के अलोक में विकसित नवीन पाठ्यक्रम 2009 के आधार पर तैयार की गई है। वर्ष 2010 में नये पाठ्यक्रम के आलोक में तैयार यह पुस्तक दशम् वर्ग हेतु लागू होने जा रही है।

इस पुस्तक के विकासक्रम में इस बात पर ध्यान दिया गया है कि शिक्षार्थियों को स्कूली जीवन के बाहर आस-पास से अनुभवों के साथ जोड़ते हुए विषय-सामग्री से परिचित कराया जाए, क्योंकि राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2005 ई० एवं बिहार पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2009 का मूल उद्देश्य भी यही है कि बच्चों के स्कूली जीवन और स्कूल से बाहर के जीवन में अंतराल नहीं होना चाहिए। पुस्तक को विकसित करते समय इस बात पर अधिक बल दिया गया है कि पुस्तक को परीक्षा का एकमात्र आधार बनाने की प्रवृत्ति से दूर ले जाया जाए। बच्चों में सर्जना और पहल को विकसित करने के लिए यह अति आवश्यक है कि सीखने और सिखाने की प्रक्रिया में भाग लेने हेतु बच्चों को अधिक अवसर उपलब्ध कराये जाएँ। पुस्तक विकासक्रम में इन बातों पर विशेष रूप से ध्यान दिया गया है।

दशमद्य वर्ग में शिक्षार्थी के मस्तिष्क का इतना विकास तो हो ही जाता है कि वह लोकतांत्रिक दुनिया की सैर करने के क्रम में लोकतंत्र के कुछ महत्वपूर्ण पहलुओं को समझाने के प्रयास में सक्षम बन सके। इस स्तर के बच्चों में समझ को ध्यान में रखते हुए कोशिश की गई है कि बच्चे लोकतंत्र के 100 वर्ष के विकास एवं विस्तार की चुनौतियों को समझते हुए आधुनिक परिवेश में लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था के मूल स्वरूप से परिचित हों। साथ ही इस पुस्तक के विकासक्रम में यह कोशिश भी की गई है कि छात्र लोकतंत्र में शासन व्यवस्था के निर्धारण हेतु साथ ही पुस्तक के विकासक्रम में इस बात पर भी बल दिया है कि शिक्षार्थी

© BSTBPC WEB COPY NOT TO BE PUBLISHED

लोकतांत्रिक राजनीति में चुनावी राजनीति के केवल सैद्धान्तिक ही नहीं अपितु व्यवहारिक व्यवहार को समझते हुए लोकतंत्र की संसदीय संस्थाओं से परिचित हों तथा उसके व्यावहारिक कार्य को समझें। पुस्तक के अंत में विभिन्न लोकतांत्रिक अधिकारों से छात्रों को परिचित कराने की कोशिश की गई है ताकि छात्र भविष्य में लोकतांत्रिक राजनीति के सहभागी बनने हेतु संवेदनशील रहें।

एस०सी०ई०आर०टी० सर्वप्रथम इस पुस्तक के विकास में शामिल विद्वत्जनों के प्रति आभार प्रकट करती है, जिनके सहयोग से यह महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हुआ। साथ ही इस पुस्तक के विकास के लिए बनाई गई पाठ्य विकास समिति के सदस्य डॉ० आर० के० लाल, सेवा निवृत्त प्रोफेसर, राजनीति विज्ञान विभागाध्यक्ष, पटना विश्वविद्यालय, पटना, डॉ० गांधीजी राय, सेवा निवृत्त प्रधानाचार्य, महाराजा कॉलेज, वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा, डॉ० शीला कुमारी, विभागाध्यक्ष, राजनीति विज्ञान विभाग, राजकीय महिला महाविद्यालय, गर्दनीबाग, पटना, डॉ० परमानन्द सिंह, सहायक शिक्षक, राजकीयकृत स्टूडेण्टस साईंटीफिक उच्च विद्यालय, कदमकुँआ, पटना, श्री विजय कुमार सिंह, सहायक शिक्षक, एफ०एन०एस० एकेडमी, गुलजारबाग, पटना, डॉ० मुकेश कुमार राय, स्नातकोत्तर शिक्षक, बी०एन० कॉलेजिएट इंटर स्कूल, पटना, श्री संजय कुमार सुमन, सहायक शिक्षक, विद्यापति उच्च विद्यालय, वाजितपुर, समस्तीपुर के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करती है। एन०सी०ई०आर०टी० ने दशम् वर्ग के लिए निर्धारित पुस्तक के कई अंशों एवं महत्त्वपूर्ण बिन्दुओं का सहारा लिया गया है। हम श्री राम तवक्या तिवारी, विभागाध्यक्ष, सभी व्याख्यातागण, श्री विजय कुमार, आशुलिपिक, मानविकी शिक्षा एवं सामाजिक विज्ञान विभाग एवं सहयोगियों के प्रति भी आभार व्यक्त करते हैं जिनके प्रयत्न से तत्परतापूर्वक निर्धारित कार्य सम्पन्न हुआ।

इस पुस्तक के विकासकार्य को अत्याल्प समय तथा शीघ्रता में तैयार किया गया है। संभव है कहीं-कहीं कुछ त्रुटियाँ रह गयी हों, जिन्हें विद्वत्जनों के सुझाव से अगले संस्करण में सुधारने का प्रयास किया जाएगा।

आशा है लोकतांत्रिक राजनीति की यह पाठ्यपुस्तक बच्चों के लिए लाभदायक, आनन्ददायी एवं रूचिकर सिद्ध होगी । अल्प समय में निर्मित पुस्तक के लिए समालोचनाओं एवं सुझावों का परिषद् स्वागत करेगी । प्राप्त सुझावों के प्रति परिषद् सजग एवं संवेदनशील होकर अगले संस्कर में आवश्यक परिमार्जन के प्रति विशेष ध्यान देगी ।

हसन वारिस

निदेशक प्रभारी

राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्,

बिहार, पटना- 800006

© BSTBPC
WEB COPY ,NOT TO BE PUBLISHED